

# National Flag, Local Infrastructure, To enhance national unity and local development, 100-Foot Tiranga was unveiled at Takhatgarh.



The Governor of Sikkim, Shri Om Prakash Mathur, inaugurated a 100 foot tall Tiranga at the Nehru Road Chauraha, Takhatgarh village of Sumerpur Assembly constituency in Pali district. The incident emphasized the necessity of national unity, patriotism, and civic growth locally. In addition to flag unveiling, there were other development works valued at ₹351.83 lakh which were opened and foundation stones were laid by the municipality. These projects involved a water tank and other civil works. The linkage between national symbols, urban governance, welfare schemes, and grassroots development was also reflected by the programme, which was important in the RAS exam perspective.

## The main highlights of the event included:

- On Nehru Road Chauraha, Takhatgarh, Pali district: The 100-foot-high Tiranga was launched.
- It was attended by Sikkim Governor Shri Om Prakash Mathur and Rajasthan Cabinet Minister Shri Joraram Kumawat.
- Development works valued at 351.83 lakh were opened and foundation stones were laid.

- The works were done under the Takhatgarh Municipality.
- Led and remote system was used to hold the inauguration and foundation-laying ceremony.

## The event started at the bus stand with the traditional worship rituals

- The national flag was hoisted by the guests together and they delivered a message of unity and respect towards the nation.
- The guests also checked a drain under-construction of the local drainage system.

## Benefit to beneficiaries.

### The programme saw 10 beneficiaries receiving financial assistance

- The beneficiaries were given cheques of 50,000 each.
- The beneficiaries were linked to Pradhan Mantri Awas Yojana-Urban and PM Street Vendor AtmaNirbhar Nidhi scheme.

- This is an indication of the contribution of welfare schemes to urban poor households and street vendors.

## The importance of the 100-Foot Tiranga

- The Tiranga is a symbol of the honour, dignity and pride of the nation.
- The existence of such symbols of the state enhances patriotism of the younger generation.
- The flag at Takhatgarh will serve as a permanent civic address of unity and national pride.
- The initiative also demonstrates the role of the urban local bodies in encouraging civic values as well as the development of infrastructure.

## Local Development Works are important

- The water tank construction in Khedawas village of Takhatgarh Gram Panchayat is likely to alleviate water related issues in the region.
- Drainage related works will enhance simple civic infrastructure, and sanitation.
- These works demonstrate that municipal-level planning is significant to enhance the quality of life in semi-urban and rural-urban regions.
- The program links infrastructural development to local governance and welfare of the people.

## RAS Exam Relevance

- o Significant to the current affairs of Rajasthan with respect to Pali district and Sumerpur Assembly constituency.
- o Applicable to issues like local bodies in urban areas, civic infrastructure, welfare programs, and national integration.
- o PMAY- Urban and PM SVANidhi These are significant government schemes of prelims and mains.
- o The symbolic value of the National Flag in contributing to the constitutional values and civic awareness is also emphasized in the event.

## Conclusion

The opening of the 100-foot Tiranga in Takhatgarh is important as it is a blend of national pride and local development. In addition to encouraging unity and patriotism, the programme was also aimed at civil infrastructure, water supply, drainage development, and welfare provision. These initiatives demonstrate the role that the urban local bodies can play in development as well as national values.

---

## MCOs

1. In which location did the 100 feet high Tiranga, which was unveiled by Sikkim Governor Shri Om Prakash Mathur, take place?

- (a) Sumerpur Bus Stand, Pali.
- (b) Takhatgarh, Nehru Road Chauraha.
- (c) village of Khedawas, Jalore.
- (d) Pali District Collectorate.

Answer : (b)Nehru road chauraha Takhatgarh.

Explanation: The Tiranga 100 feet high was inaugurated at Nehru Road Chauraha, Takhatgarh village in Sumerpur Assembly constituency in Pali district. Sikkim Governor Shri Om Prakash Mathur and Rajasthan Cabinet Minister Shri Joraram Kumawat were present at the event.

2. How much did the development works that were inaugurated and the foundation stones that were laid in the Takhatgarh programme cost?

- (a) ₹151.83 lakh
- (b) ₹251.83 lakh
- (c) ₹351.83 lakh

(d) ₹451.83 lakh

Answer: (c) ₹351.83 lakh

Explanation: The municipality inaugurated several development works valued at 351.83 lakh, and laid foundation stones to them. These were works that comprised a water tank and other civic infrastructure work concerning local development.

3. Which schemes were cheques of 50,000 each given to beneficiaries under the programme?

(a) PM-KISAN and Jal Jeevan Mission.

(b) Pradhan Mantri Awas Yojana-Urban and PM Street Vendor AtmaNirbhar Nidhi scheme.

(c) Ayushman Bharat and MGNREGA.

(d) AMRUT Mission and Smart Cities Mission.

Answer : (b) Pradhan Mantri Awas Yojana-Urban and PM Street Vendor AtmaNirbhar Nidhi scheme.

Explanation: Under the Pradhan Mantri Awas Yojana-Urban and PM Street Vendor AtmaNirbhar Nidhi scheme, 10 beneficiaries were provided with ₹50,000 cheques during the programme. This is indicative of the preoccupation with housing in cities and the encouragement of street vendors.

## राष्ट्रीय ध्वज, स्थानीय आधारभूत ढांचा, तखतगढ़ में राष्ट्रीय एकता और स्थानीय विकास को बढ़ावा देने के लिए 100 फीट ऊंचे तिरंगे का अनावरण

सिक्किम के राज्यपाल श्री ओम प्रकाश माथुर ने पाली जिले के सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के तखतगढ़ गांव स्थित नेहरू रोड चौराहे पर 100 फीट ऊंचे तिरंगे का अनावरण किया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और स्थानीय नागरिक विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। तिरंगे के अनावरण के साथ नगर पालिका के माध्यम से रुपये 351.83 लाख की लागत वाले कई विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया गया। इन कार्यों में पानी की टंकी और अन्य नागरिक आधारभूत ढांचे से जुड़े कार्य शामिल हैं। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय प्रतीकों, नगरीय शासन, कल्याणकारी योजनाओं और जमीनी स्तर के विकास के संबंध को दर्शाता है, इसलिए यह राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

### कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएं

- 100 फीट ऊंचे तिरंगे का अनावरण पाली जिले के तखतगढ़ स्थित नेहरू रोड चौराहे पर किया गया।

- कार्यक्रम में सिविक के राज्यपाल श्री ओम प्रकाश माथुर और राजस्थान के कैबिनेट मंत्री श्री जोराराम कुमावत उपस्थित रहे।
- रुपये 351.83 लाख की लागत वाले विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया।
- ये कार्य तखतगढ़ नगर पालिका के माध्यम से किए जा रहे हैं।
- लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम एलईडी और रिमोट प्रणाली के माध्यम से किया गया।
- कार्यक्रम का शुभारंभ बस स्टैंड पर विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ।
- अतिथियों ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राष्ट्र के प्रति सम्मान और एकता का संदेश दिया।
- अतिथियों ने स्थानीय जल निकासी व्यवस्था से जुड़े निर्माणाधीन नाले का भी निरीक्षण किया।

## लाभार्थियों को सहायता

- कार्यक्रम में कुल 10 लाभार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई।
- लाभार्थियों को रुपये 50,000-50,000 के चेक वितरित किए गए।
- ये लाभार्थी प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी और प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर निधि योजना से जुड़े थे।
- यह शहरी गरीब परिवारों और पथ विक्रेताओं के समर्थन में कल्याणकारी योजनाओं की भूमिका को दर्शाता है।

## 100 फीट तिरंगे का महत्व

- तिरंगा राष्ट्र के सम्मान, गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है।
- ऐसे सार्वजनिक प्रतीक नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना को मजबूत करते हैं।
- तखतगढ़ में स्थापित यह तिरंगा एकता और राष्ट्रीय गौरव का स्थायी नागरिक प्रतीक बनेगा।
- यह पहल नागरिक मूल्यों को प्रोत्साहित करने और आधारभूत ढांचे के विकास में नगरीय स्थानीय निकायों की भूमिका को भी दिखाती है।

## स्थानीय विकास कार्यों का महत्व

- तखतगढ़ ग्राम पंचायत के खेड़ावास गांव में पानी की टंकी के निर्माण से क्षेत्र में जल-संबंधी समस्याओं को कम करने में सहायता मिलेगी।
- जल निकासी से जुड़े कार्य स्थानीय नागरिक आधारभूत ढांचे और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाएंगे।
- ये कार्य अर्द्ध-नगरीय और ग्रामीण-नगरीय क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता सुधारने के लिए नगर पालिका स्तर की योजना के महत्व को दिखाते हैं।
- यह कार्यक्रम आधारभूत ढांचे के विकास को स्थानीय शासन और जनकल्याण से जोड़ता है।

## राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा की दृष्टि से महत्व

- यह पाली जिला और सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र से संबंधित राजस्थान समसामयिक घटना की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।
- यह नगरीय स्थानीय निकायों, नागरिक आधारभूत ढांचे, कल्याणकारी योजनाओं और राष्ट्रीय एकीकरण जैसे विषयों से जुड़ा है।
- प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी और प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर निधि योजना प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा दोनों के लिए महत्वपूर्ण सरकारी योजनाएं हैं।
- यह कार्यक्रम राष्ट्रीय ध्वज के प्रतीकात्मक महत्व को संवैधानिक मूल्यों और नागरिक चेतना से जोड़ता है।

## निष्कर्ष

तखतगढ़ में 100 फीट ऊंचे तिरंगे का अनावरण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह राष्ट्रीय गौरव और स्थानीय विकास का संयोजन प्रस्तुत करता है। एकता और देशभक्ति को बढ़ावा देने के साथ-साथ इस कार्यक्रम में नागरिक आधारभूत ढांचे, जलापूर्ति, जल निकासी सुधार और कल्याणकारी सहायता पर भी ध्यान दिया गया। ऐसी पहलें यह दर्शाती हैं कि नगरीय स्थानीय निकाय विकास और राष्ट्रीय मूल्यों दोनों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

## बहुविकल्पीय प्रश्न

1. सिक्किम के राज्यपाल श्री ओम प्रकाश माथुर द्वारा 100 फीट ऊंचे तिरंगे का अनावरण कहाँ किया गया?

- (a) सुमेरपुर बस स्टैंड, पाली
- (b) नेहरू रोड चौराहा, तखतगढ़
- (c) खेड़ावास गांव, जालोर
- (d) जिला कलेक्ट्रेट, पाली

उत्तर: (b) नेहरू रोड चौराहा, तखतगढ़

### व्याख्या:

100 फीट ऊंचे तिरंगे का अनावरण पाली जिले के सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के तखतगढ़ गांव स्थित नेहरू रोड चौराहे पर किया गया। इस कार्यक्रम में सिक्किम के राज्यपाल श्री ओम प्रकाश माथुर और राजस्थान के कैबिनेट मंत्री श्री जोराराम कुमावत उपस्थित रहे।

2. तखतगढ़ कार्यक्रम में लोकार्पित और शिलान्यास किए गए विकास कार्यों की कुल लागत कितनी थी?

- (a) रुपये 151.83 लाख
- (b) रुपये 251.83 लाख

(c) रुपये 351.83 लाख

(d) रुपये 451.83 लाख

**उत्तर: (c) रुपये 351.83 लाख**

**व्याख्या:**

नगर पालिका के माध्यम से रुपये 351.83 लाख की लागत वाले कई विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। इन कार्यों में पानी की टंकी और स्थानीय विकास से जुड़े अन्य नागरिक आधारभूत ढांचे के कार्य शामिल हैं।

**3. कार्यक्रम में लाभार्थियों को रुपये 50,000-50,000 के चेक किन योजनाओं के अंतर्गत वितरित किए गए?**

(a) प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और जल जीवन मिशन

(b) प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी और प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर निधि योजना

(c) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना और आयुष्मान भारत

(d) स्मार्ट सिटी मिशन और अमृत मिशन

**उत्तर: (b) प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी और प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर निधि योजना**

**व्याख्या:**

कार्यक्रम के दौरान कुल 10 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी और प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर निधि योजना के अंतर्गत रुपये 50,000-50,000 के चेक दिए गए। यह शहरी आवास और पथ विक्रेताओं को सहायता देने की सरकारी प्राथमिकता को दर्शाता है।

**Global Rajasthan Agritech Meet  
2026, GRAM-2026 Investor Meet in  
Delhi to increase Agricultural  
investment in Rajasthan.**



GRAM-2026 is the Global Rajasthan Agritech Meet that will be held in Jaipur between 23 and 25 May. In the run-up to the main event, an investor meet was conducted in New Delhi where Chief Minister Shri Bhajanlal Sharma welcomed investors and entrepreneurs to be part of GRAM-2026. The event will unite farmers, experts in agriculture, policy makers and investors. It is primarily aimed at empowering farmers economically by enhancing agricultural technology, investment, food processing, modern farming and other related agricultural activities. Regarding the RAS exam, the agriculture, rural economy, promotion of investment, schemes of farmers welfare and agrotech-based development in Rajasthan are significant to the news.

### GRAM-2026 has several significant highlights

- GRAM-2026 will be held in Jaipur from 23 to 25 May.
- GRAM-2026 investor meet was held in New Delhi.
- Chief Minister Shri Bhajanlal Sharma encouraged investors and entrepreneurs to attend the event.
- The event is associated with the vision of the Empowered Farmers, Prosperous India.
- GRAM-2026 will offer a joint platform to the farmers, agricultural experts, policy makers and investors.
- GRAM activities are being organised at various levels, such as, Girdawar circle, sub-division and district levels.
- The goal is to make sure that the event and other initiatives will benefit as many farmers as possible.

## The Agricultural strength of Rajasthan

### Rajasthan is one of the top agricultural producers

- Finally, the state is the largest producer of bajra, mustard, oilseeds, barley, guar, isabgol and cumin in India.
- This agricultural diversity opens up good prospects in food processing, spice parks and agri-export industries.
- GRAM-2026 will encourage investment in these regions and enhance the agricultural value chain in Rajasthan.

### Investment Promotion by means of GRAM-2026

- The state government is striving to give an environment that is conducive to investment to the entrepreneurs.
- At the Rising Rajasthan Global Investment Summit, about ₹44,000 crore worth of MoU in the agriculture sector were signed.
- Of this, more than 9,000 crore worth of investment has already been grounded.
- GRAM- 2026 will be an extension of this agricultural investment journey.
- The event will assist in linking investment with income of farmers, technology and rural development.
- The Government Emphasis on Aided Agricultural activities.
- Rajasthan has enormous solar energy potential.
- The state government has paid over 1000 crore in subsidy and developed over 65,000 solar pump plants in the past two years.
- The advantages of these solar pumps include; a farmer has saved on electricity expenses and the pumps have assisted in enhancing agricultural yield.
- Processing units, warehouses, dairy, fisheries, animal husbandry and other related agricultural activities are some of the other areas of interest of the state government.
- Rajasthan: Over 1,500 agricultural processing units are set up.
- Land has also been set aside to establish food parks to enhance processing in the state.
- Others like setting up a Spice Cell, Rajasthan Spice Conclave and creation of a mobile application called RajSpice have also been implemented.

### Highlighted Farmer Welfare Measures

- The amount under Kisan Samman Nidhi has been raised by the state government to 9,000.
- Under Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana, Rajasthan has granted the most policies in the country.
- There are 2 crore 19 lakh policies that have been issued under the scheme.

- Claims worth over 6,500 crore have been given out.
- ₹150 bonus on procurement of wheat is being given to farmers.
- Electricity is being supplied to farmers in 24 districts during the day.
- Under the Rajasthan Cooperative Gopal Credit card Loan Scheme, animal rearers are being offered loans up to 1 lakh at no interest.
- More than 20 lakh animals are registered on Mukhyamantri Mangla Pashu Bima Yojana.

## Technological and Institutional Significance

- GRAM-2026 will encourage the use of modern technology in agriculture among farmers.
- It will involve the involvement of policy makers, scientists and agricultural experts.
- Programmes will also be held in a number of cities such as Ahmedabad, Hyderabad and Pune.
- The bigger programme will include special sessions, Jajam Chaupal, women entrepreneurship in agriculture and promotion of startups.
- The platform will aid in the discussion of technological changes in agriculture and make technology more accessible in line with the geographical requirements of Rajasthan.

## RAS Exam Relevance

- Significant to the Rajasthan current affairs on agriculture and rural economy.
- Applicable to issues involving agricultural investment, welfare of farmers, food processing and related activities.
- Applicable to schemes like Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana, Kisan Samman Nidhi, Rajasthan Cooperative Gopal Credit Card Loan Scheme and Mukhyamantri Mangala Pashu Bima Yojana.
- Critical to the role of Rajasthan in crops like bajra, mustard, barley, guar, isabgol and cumin.
- Applicable to the questions on agritech, agri-export, food parks, spice based economy and rural entrepreneurship.

## Conclusion

GRAM-2026 is a significant project to invest in agriculture, modern technology and welfare of the farmers in Rajasthan. The event will also enhance the agricultural economy by attracting farmers, experts, policy makers and investors to work toward

ensuring that farmers are able to earn more revenue. It also brings out the potential of food processing, solar powered agriculture, spice production, allied farming and agri-export of Rajasthan. In preparation of RAS, this event is important because it links up the present affairs with agriculture, economy, governance and rural development.

---

## MCQs

- Where will the Global Rajasthan Agritech meet, GRAM-2026, be hosted?

- (a) New Delhi
- (b) Jaipur
- (c) Ahmedabad
- (d) Hyderabad

Answer: (b) Jaipur

Explanation: GRAM-2026 will be held between 23 and 25 May in Jaipur. Prior to this main event, an investor meet was also conducted in New Delhi where the Chief Minister Shri Bhajanlal Sharma invited investors and entrepreneurs to the event.

2. Which crops according to the event highlights are the major crops in Rajasthan as compared to other states in India?

- (a) Rice, wheat, sugarcane and cotton.
- (b) Tea, coffee, rubber and coconut.
- (c) Bajra, mustard, oilseeds, barley, guar, isabgol and cumin.
- (d) Jute, tobacco, banana and black pepper.

Answer : (c) Bajra, mustard, oilseeds, barley, guar, isabgol and cumin.

Explanation: Rajasthan was brought into the limelight as one of the major agricultural states. It also leads in India in the production of bajra, mustard, oilseeds, barley, guar, isabgol and cumin. This variety opens up food processing, spice parks and agri-export.

3. Which is the correct statement concerning the farmer welfare measures mentioned in GRAM-2026 Investor Meet?

- (a) 2 crore 19 lakh policies have been issued in Rajasthan in Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana.

- (b) Rajasthan has discontinued subsidies on solar pump plants.
- (c) There are no agricultural processing units that have been developed in the state.
- (d) GRAM-2026 is confined solely to livestock development.

Answer : (a) 2 crore 19 lakh policies have been issued in Rajasthan in Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana.

Explanation: At the event, it was mentioned that Rajasthan has issued most policies in the country under Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana where 2 crore 19 lakh policies have been issued and claims of over 6500 crore have been paid out.

## वैश्विक राजस्थान कृषि-प्रौद्योगिकी सम्मेलन 2026, राजस्थान में कृषि निवेश बढ़ाने के लिए दिल्ली में ग्राम-2026 निवेशक बैठक आयोजित

ग्राम-2026 अर्थात वैश्विक राजस्थान कृषि-प्रौद्योगिकी सम्मेलन का आयोजन 23 से 25 मई तक जयपुर में किया जाएगा। मुख्य आयोजन से पहले नई दिल्ली में निवेशक बैठक आयोजित की गई, जहां मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने निवेशकों और उद्यमियों को ग्राम-2026 में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। यह आयोजन किसानों, कृषि विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और निवेशकों को एक मंच पर लाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य कृषि-प्रौद्योगिकी, निवेश, खाद्य प्रसंस्करण, आधुनिक खेती और कृषि से जुड़ी अन्य गतिविधियों के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा की दृष्टि से यह समाचार राजस्थान की कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, निवेश प्रोत्साहन, किसान कल्याण योजनाओं और कृषि-प्रौद्योगिकी आधारित विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

### ग्राम-2026 की प्रमुख विशेषताएं

- ग्राम-2026 का आयोजन जयपुर में 23 से 25 मई तक होगा।
- ग्राम-2026 की निवेशक बैठक नई दिल्ली में आयोजित की गई।
- मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने निवेशकों और उद्यमियों को इस आयोजन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।
- यह आयोजन "सशक्त किसान, समृद्ध भारत" के दृष्टिकोण से जुड़ा है।
- ग्राम-2026 किसानों, कृषि विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और निवेशकों को एक साझा मंच प्रदान करेगा।
- ग्राम से जुड़ी गतिविधियां गिरदावर सर्किल, उपखंड और जिला स्तर सहित विभिन्न स्तरों पर आयोजित की जा रही हैं।

- इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि इस आयोजन और इससे जुड़ी पहलों से अधिकतम किसान लाभान्वित हों।

## राजस्थान की कृषि शक्ति

- राजस्थान कृषि उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल है।
- राज्य बाजरा, सरसों, तिलहन, जौ, ग्वार, ईसबगोल और जीरे के उत्पादन में भारत में प्रथम स्थान पर है।
- यह कृषि विविधता खाद्य प्रसंस्करण, मसाला पार्क और कृषि-निर्यात क्षेत्रों में मजबूत संभावनाएं पैदा करती है।
- ग्राम-2026 इन क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देगा और राजस्थान की कृषि मूल्य श्रृंखला को मजबूत करेगा।

## ग्राम-2026 के माध्यम से निवेश प्रोत्साहन

- राज्य सरकार उद्यमियों को निवेश के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है।
- राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश सम्मेलन में कृषि क्षेत्र में लगभग रुपये 44,000 करोड़ के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- इनमें से रुपये 9,000 करोड़ से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है।
- ग्राम-2026 इस कृषि निवेश यात्रा को आगे बढ़ाने का माध्यम बनेगा।
- यह आयोजन निवेश को किसानों की आय, तकनीक और ग्रामीण विकास से जोड़ने में सहायता करेगा।

## कृषि से जुड़ी गतिविधियों पर सरकार का जोर

- राजस्थान में सौर ऊर्जा उत्पादन की विशाल संभावनाएं हैं।
- पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार ने रुपये 1,000 करोड़ से अधिक की सब्सिडी जारी की है और 65,000 से अधिक सौर पंप संयंत्र स्थापित करवाए हैं।
- इन सौर पंपों से किसानों की बिजली लागत में कमी आई है और कृषि उत्पादकता बढ़ाने में सहायता मिली है।
- राज्य सरकार प्रसंस्करण इकाइयों, भंडारगृहों, डेयरी, मत्स्य पालन, पशुपालन और कृषि से जुड़ी अन्य गतिविधियों पर भी ध्यान दे रही है।
- राजस्थान में 1,500 से अधिक कृषि प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित की गई हैं।
- राज्य में प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए खाद्य पार्कों हेतु भूमि चिन्हित की गई है।
- मसाला प्रकोष्ठ की स्थापना, राजस्थान मसाला सम्मेलन का आयोजन और राजस्पाइस मोबाइल अनुप्रयोग के विकास जैसे नवाचार भी किए गए हैं।

## किसान कल्याण से जुड़े प्रमुख उपाय

- राज्य सरकार ने किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाकर रुपये 9,000 कर दी है।
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत राजस्थान ने देश में सबसे अधिक पॉलिसी जारी की हैं।
- इस योजना के तहत 2 करोड़ 19 लाख पॉलिसी जारी की गई हैं।
- रुपये 6,500 करोड़ से अधिक के दावे वितरित किए गए हैं।
- किसानों को गेहूं खरीद पर रुपये 150 का बोनस दिया जा रहा है।
- 24 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है।
- राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना के तहत पशुपालकों को रुपये 1 लाख तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।
- मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत 20 लाख से अधिक पशुओं का पंजीकरण किया गया है।

## तकनीकी और संस्थागत महत्व

- ग्राम-2026 किसानों के बीच आधुनिक कृषि तकनीक को बढ़ावा देगा।
- इसमें नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों और कृषि विशेषज्ञों की भागीदारी होगी।
- अहमदाबाद, हैदराबाद और पुणे सहित कई शहरों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।
- बड़े कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष सत्र, जाजम चौपाल, कृषि क्षेत्र में महिला उद्यमिता और नवोद्यम प्रोत्साहन शामिल होंगे।
- यह मंच कृषि में तकनीकी बदलावों पर चर्चा करने और राजस्थान की भौगोलिक आवश्यकताओं के अनुसार तकनीक को अधिक सुलभ बनाने में सहायता करेगा।

## राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा की दृष्टि से महत्व

- यह राजस्थान की कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से संबंधित समसामयिक घटनाओं के लिए महत्वपूर्ण है।
- यह कृषि निवेश, किसान कल्याण, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि से जुड़ी गतिविधियों से संबंधित है।
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना और मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना जैसी योजनाओं के लिए उपयोगी है।
- बाजरा, सरसों, जौ, ग्वार, ईसबगोल और जीरे जैसी फसलों में राजस्थान की भूमिका समझने के लिए महत्वपूर्ण है।
- कृषि-प्रौद्योगिकी, कृषि-निर्यात, खाद्य पार्क, मसाला आधारित अर्थव्यवस्था और ग्रामीण उद्यमिता से जुड़े प्रश्नों के लिए प्रासंगिक है।

## निष्कर्ष

ग्राम-2026 राजस्थान में कृषि निवेश, आधुनिक तकनीक और किसान कल्याण को बढ़ावा देने की एक महत्वपूर्ण पहल है। यह आयोजन किसानों, विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और निवेशकों को साथ लाकर कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में कार्य करेगा। यह राजस्थान की खाद्य प्रसंस्करण, सौर ऊर्जा आधारित कृषि, मसाला उत्पादन, कृषि से जुड़ी गतिविधियों और कृषि-निर्यात की संभावनाओं को भी सामने लाता है। राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए यह आयोजन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह समसामयिक घटनाओं को कृषि, अर्थव्यवस्था, शासन और ग्रामीण विकास से जोड़ता है।

## बहुविकल्पीय प्रश्न

1. वैश्विक राजस्थान कृषि-प्रौद्योगिकी सम्मेलन, ग्राम-2026 का आयोजन कहाँ किया जाएगा?

- (a) नई दिल्ली
- (b) जयपुर
- (c) अहमदाबाद
- (d) हैदराबाद

उत्तर: (b) जयपुर

### व्याख्या:

ग्राम-2026 का आयोजन 23 से 25 मई तक जयपुर में किया जाएगा। मुख्य आयोजन से पहले नई दिल्ली में निवेशक बैठक आयोजित की गई, जहाँ मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने निवेशकों और उद्यमियों को इस आयोजन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

2. कार्यक्रम की प्रमुख जानकारी के अनुसार राजस्थान किन फसलों के उत्पादन में भारत में प्रथम स्थान पर है?

- (a) चावल, गेहूं, गन्ना और कपास
- (b) चाय, कॉफी, रबर और नारियल
- (c) बाजरा, सरसों, तिलहन, जौ, ग्वार, ईसबगोल और जीरा
- (d) जूट, तंबाकू, केला और काली मिर्च

उत्तर: (c) बाजरा, सरसों, तिलहन, जौ, ग्वार, ईसबगोल और जीरा

### व्याख्या:

राजस्थान को प्रमुख कृषि उत्पादक राज्य के रूप में रेखांकित किया गया। राज्य बाजरा, सरसों, तिलहन, जौ, ग्वार, ईसबगोल और जीरे के उत्पादन में भारत में प्रथम स्थान पर है। यह विविधता खाद्य प्रसंस्करण, मसाला पार्क और कृषि-निर्यात की संभावनाओं को मजबूत करती है।

3. ग्राम-2026 निवेशक बैठक में किसान कल्याण उपायों के संबंध में कौन-सा कथन सही है?

- (a) राजस्थान में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 2 करोड़ 19 लाख पॉलिसी जारी की गई हैं।
- (b) राजस्थान ने सौर पंप संयंत्रों पर अनुदान बंद कर दिया है।
- (c) राज्य में कोई कृषि प्रसंस्करण इकाई स्थापित नहीं की गई है।
- (d) ग्राम-2026 केवल पशुपालन विकास तक सीमित है।

**उत्तर:** (a) राजस्थान में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 2 करोड़ 19 लाख पॉलिसी जारी की गई हैं।

**व्याख्या:**

कार्यक्रम में यह बताया गया कि राजस्थान ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत देश में सबसे अधिक पॉलिसी जारी की हैं। इस योजना के अंतर्गत 2 करोड़ 19 लाख पॉलिसी जारी की गई हैं और रुपये 6,500 करोड़ से अधिक के दावे वितरित किए गए हैं।

## Archaeology, Narhad in Jhunjhunu May become a New Archaeological Centre



Narhad village, a subdivision of Jhunjhunu district in the Chirawa subdivision is attracting attention because of the regular findings of ancient remains. The locals assert that the area has over the years been home to sculptures, artistic stone blocks, copper coins, metal-smelting furnaces, remains of mud-wall and other archaeological materials. Nevertheless, there is no significant scientific survey or excavation done yet. The site has potential to represent the existence of an ancient

settlement, craft centre or a trading place. In the perspective of the RAS exam, this news holds significance in the archaeology, conservation of heritage of Rajasthan; ancient settlements and the importance of scientific excavation in proving the historical facts.

## Some of the main highlights of the Discovery are as follows

### Narhad village is in Chirawa subdivision of Jhunjhunu district

- Ancient sculptures, artistic stones, copper coins and other remains have been reported to be discovered by local residents.
- During local digs, metal-smelting furnace remains and mud walls have also been uncovered.
- These results imply that there might have been an organised early settlement or craft industry in the site.
- No major archaeological survey or scientific excavation has been undertaken so far although there have been several local claims.
- Data that were discovered in various locations.
- In 2002, construction work was done on a house, in which artistic stone blocks were said to have been discovered.
- These stone blocks were carved with varying figures and ornamentation patterns.
- The other ones were found near Balaji temple, which was a water hut and nearby fields, with similar artistic stones and sculptures.
- The area has been found to contain a large number of stones which have carvings of deities and other figures.
- Artistic stones were also observed to be attached to an old well situated in the Balaji temple complex.

### Scientific Excavation is in demand.

- Experts think that these remains can be dated to an ancient town, trading centre or craft centre.
- Local residents and history enthusiasts have insisted on an extensive survey by the Archaeological Survey of India or the State Archaeology Department.
- Scientific excavation is required to confirm the age of the site, the cultural context and the historical significance of the site.
- Archaeological digs at Rohida village, some 40 km southeast of Narhad, have added to the appeal of the historical significance of this area.

### Mysterious Tunnel-like Structure

- There was a pit that was said to be a tunnel in the village several years back.
- The villagers in the area said that a few children had gone down almost 1520 feet in it.

- At one time the height of the tunnel was said to reach about five feet, and it was possible to walk standing on it.
- The children did not go any farther, because of being frightened.
- The tunnel subsequently was filled in, and it remains to this day as an unsolved mystery.
- The museum links with historical references and museums.
- A local resident, Ramsingh, claimed that a discovered old diary of his grandfather mentioned the find of sculptures in Narhad.
- As per the diary, it is reported that the archaeology department was provided with information about sculptures that were discovered in Narhad on 8 January 1957.
- Remains associated with Hindu, Jain and Buddhist have been reported in the area.
- Two Jain figures in black stone, in the vicinity, are said to be in the Albert Hall Museum, Jaipur.
- Some of the ancient stones are also said to be in Birla Institute.

## Administrative Status

- And the Archaeology and Museums Department have heard of the finding of the old remains at Narhad.
- No official information has been yet obtained of the local administration.
- The department will commence the process of the survey and action upon receipt of a formal proposal and report by the administration.

## RAS Exam Relevance

- Of significance to the archaeological and other heritage-related contemporary life of Rajasthan.
- Applicable to questions of ancient settlements, material remains and scientific excavation.
- Helpful in learning about the use of ASI and the State Archaeology Department in heritage verification.
- Significant to the cultural history of Jhunjhunu district and Shekhawati area.
- Aids in relating local findings to more general themes, like ancient trade, artisanal work, religious practice and museum conservation.

## Conclusion

The village of Narhad in Jhunjhunu can be developed as a valuable archaeological site in case the scientific investigation proves the historical significance of the remains discovered in the village. The finding of sculptures, carved stones, copper coins, furnace remains, mud walls and potential tunnel-like features evidence the

potential existence of an ancient settlement or craft centre. To determine the true historical importance of the site a systematic survey and excavation should be used.

---

### MCOs

1. Narhad village, which was in news recently due to the possibility of archaeological remains is situated in which district in Rajasthan?

- (a) Jaipur
- (b) Jhunjhunu
- (c) Jodhpur
- (d) Barmer

Answer: (b) Jhunjhunu

Explanation: Narhad is a village in Chirawa subdivision of Jhunjhunu district. It has been brought into the limelight due to the fact that people of the area have reported finding of ancient sculptures, art stones, copper coins, metal smelting furnace and other archaeological artifacts.

• Which of the following are the results that have been reported in Narhad village?

- (a) Old sculptures, artistic stones, copper coins and remains of metal-smelting furnaces.
- (b) Coins and colonial buildings, only modern.
- (c) Fossils of sea and settlement sites.
- (d) Manuscripts of Buddhist texts, exclusively on palm leaves.

Answer: (a) Sculptures and artistic stones, copper coins and remains of metal smelting furnace.

Explanation: Narhad has been reported to yield various kinds of remains by local inhabitants, such as sculptures, artistic stone blocks, copper coins, metal-smelting furnaces and mud-wall remains. This evidence can show that there was an ancient settlement, craft centre or a trading point.

3. Why has there been a scientific excavation demanded at Narhad?

- (a) To develop a new industrial area.
- (b) To determine the age, cultural background and significance of the remains.
- (c) To replace the current museum at Albert Hall

(d) To transfer all village temples to Jaipur.

Answer : (b) To confirm the age, cultural context and historical significance of the remains

Explanation: This requires scientific excavation since the local discoveries cannot determine the exact age and the historical value of the location. An appropriate survey by the Archaeological Survey of India or the State Archaeology Department might be able to find out whether Narhad was an ancient settlement, trading centre or craft site.

## पुरातत्व, प्राचीन बस्ती, झुंझुनू का नरहड़ नया पुरातात्विक केंद्र बन सकता है

झुंझुनू जिले के चिड़ावा उपखंड में स्थित नरहड़ गांव प्राचीन अवशेषों की लगातार मिल रही जानकारी के कारण चर्चा में है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस क्षेत्र में कई वर्षों से मूर्तियां, कलात्मक पत्थर, तांबे के सिक्के, धातु गलाने की भट्टियों के अवशेष, मिट्टी की दीवारों के अवशेष और अन्य पुरातात्विक सामग्री मिलती रही है। इसके बावजूद अभी तक यहां कोई बड़ा वैज्ञानिक सर्वेक्षण या खुदाई नहीं हुई है। यह स्थल किसी प्राचीन बस्ती, शिल्प केंद्र या व्यापारिक केंद्र की ओर संकेत कर सकता है। राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा की दृष्टि से यह समाचार राजस्थान के पुरातत्व, विरासत संरक्षण, प्राचीन बस्तियों और ऐतिहासिक तथ्यों की पुष्टि में वैज्ञानिक खुदाई के महत्व से जुड़ा हुआ है।

### खोज की प्रमुख विशेषताएं

- नरहड़ गांव झुंझुनू जिले के चिड़ावा उपखंड में स्थित है।
- स्थानीय निवासियों ने प्राचीन मूर्तियां, कलात्मक पत्थर, तांबे के सिक्के और अन्य अवशेष मिलने की जानकारी दी है।
- स्थानीय खुदाई के दौरान धातु गलाने की भट्टियों और मिट्टी की दीवारों के अवशेष भी मिले हैं।
- ये अवशेष इस क्षेत्र में किसी संगठित प्राचीन बस्ती या शिल्प गतिविधि की संभावना को दर्शाते हैं।
- कई स्थानीय दावों के बावजूद अभी तक कोई बड़ा पुरातात्विक सर्वेक्षण या वैज्ञानिक खुदाई नहीं की गई है।

### विभिन्न स्थानों पर मिले प्रमाण

- वर्ष 2002 में एक मकान के निर्माण कार्य के दौरान कलात्मक पत्थर मिलने की जानकारी सामने आई थी।
- इन पत्थरों पर अलग-अलग आकृतियां और सजावटी नक्काशी बनी हुई थी।
- बालाजी मंदिर, प्याऊ और आसपास के खेतों के पास भी इसी प्रकार के कलात्मक पत्थर और मूर्तियां मिली हैं।

- क्षेत्र में देवी-देवताओं और अन्य आकृतियों की नक्काशी वाले कई पत्थर मिले हैं।
- बालाजी मंदिर परिसर में स्थित एक प्राचीन कुएं में भी कलात्मक पत्थर जुड़े हुए दिखाई दिए हैं।

## वैज्ञानिक खुदाई की मांग

- विशेषज्ञों के अनुसार ये अवशेष किसी प्राचीन नगर, व्यापारिक केंद्र या शिल्प केंद्र से जुड़े हो सकते हैं।
- स्थानीय निवासियों और इतिहास में रुचि रखने वाले लोगों ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण या राज्य पुरातत्व विभाग से विस्तृत सर्वेक्षण की मांग की है।
- स्थल की आयु, सांस्कृतिक संदर्भ और ऐतिहासिक महत्व की पुष्टि के लिए वैज्ञानिक खुदाई आवश्यक है।
- नरहड़ से लगभग 40 किलोमीटर दूर रोहिड़ा गांव में हुई पुरातात्विक खुदाई ने इस क्षेत्र के ऐतिहासिक महत्व के प्रति रुचि को और बढ़ाया है।

## रहस्यमयी सुरंग जैसी संरचना

- गांव में कुछ वर्ष पहले सुरंग जैसी एक गड्ढेनुमा संरचना मिलने की बात सामने आई थी।
- स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार कुछ बच्चे उसमें लगभग 15-20 फीट अंदर तक चले गए थे।
- एक स्थान पर सुरंग की ऊंचाई लगभग पांच फीट बताई गई, जहां खड़े होकर चलना संभव था।
- डर के कारण बच्चे आगे नहीं बढ़े।
- बाद में उस सुरंग को मिट्टी से भर दिया गया, जिससे यह रहस्य अधूरा ही रह गया।

## ऐतिहासिक संदर्भ और संग्रहालय से संबंध

- स्थानीय निवासी रामसिंह के अनुसार उनके दादाजी की पुरानी डायरी में नरहड़ में मिली मूर्तियों का उल्लेख था।
- डायरी में 8 जनवरी 1957 को नरहड़ में मिली मूर्तियों की जानकारी पुरातत्व विभाग को देने की बात दर्ज थी।
- क्षेत्र में हिंदू, जैन और बौद्ध परंपराओं से जुड़े अवशेष मिलने की जानकारी भी सामने आई है।
- क्षेत्र से मिली काले पत्थर की दो जैन मूर्तियां जयपुर के अल्बर्ट हॉल संग्रहालय में सुरक्षित बताई जाती हैं।
- कई प्राचीन पत्थर बिरला संस्थान में भी रखे होने की जानकारी है।

## प्रशासनिक स्थिति

- पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग को नरहड़ में पुराने अवशेष मिलने की जानकारी मिली है।
- अभी तक स्थानीय प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक सूचना प्राप्त नहीं हुई है।
- प्रशासन से प्रस्ताव और रिपोर्ट मिलने के बाद विभाग द्वारा सर्वेक्षण और आगे की कार्यवाही शुरू की जा सकती है।

## राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा की दृष्टि से महत्व

- यह राजस्थान के पुरातत्व और विरासत से जुड़ी समसामयिक घटनाओं के लिए महत्वपूर्ण है।
- यह प्राचीन बस्तियों, भौतिक अवशेषों और वैज्ञानिक खुदाई से संबंधित प्रश्नों के लिए उपयोगी है।
- यह विरासत की पुष्टि में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और राज्य पुरातत्व विभाग की भूमिका को समझने में सहायक है।
- यह झुंझुनू जिले और शेखावाटी क्षेत्र के सांस्कृतिक इतिहास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।
- यह स्थानीय खोजों को प्राचीन व्यापार, शिल्प गतिविधियों, धार्मिक परंपराओं और संग्रहालय संरक्षण जैसे व्यापक विषयों से जोड़ता है।

## निष्कर्ष

झुंझुनू का नरहड़ गांव एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल के रूप में विकसित हो सकता है, यदि वैज्ञानिक जांच से यहां मिले अवशेषों का ऐतिहासिक महत्व सिद्ध होता है। मूर्तियों, नक्काशीदार पत्थरों, तांबे के सिक्कों, भट्टी के अवशेषों, मिट्टी की दीवारों और संभावित सुरंग जैसी संरचना की खोज किसी प्राचीन बस्ती या शिल्प केंद्र की संभावना को मजबूत करती है। इस स्थल के वास्तविक ऐतिहासिक महत्व को समझने के लिए व्यवस्थित सर्वेक्षण और वैज्ञानिक खुदाई आवश्यक है।

## बहुविकल्पीय प्रश्न

1. हाल ही में पुरातात्विक अवशेषों की संभावना के कारण चर्चा में रहा नरहड़ गांव राजस्थान के किस जिले में स्थित है?

- (a) जयपुर
- (b) झुंझुनू
- (c) जोधपुर
- (d) बाड़मेर

उत्तर: (b) झुंझुनू

### व्याख्या:

नरहड़ गांव झुंझुनू जिले के चिड़ावा उपखंड में स्थित है। यह गांव इसलिए चर्चा में आया है क्योंकि स्थानीय लोगों ने यहां प्राचीन मूर्तियां, कलात्मक पत्थर, तांबे के सिक्के, धातु गलाने की भट्टियों के अवशेष और अन्य पुरातात्विक सामग्री मिलने की जानकारी दी है।

2. नरहड़ गांव से किस प्रकार के अवशेष मिलने की जानकारी सामने आई है?

- (a) प्राचीन मूर्तियां, कलात्मक पत्थर, तांबे के सिक्के और धातु गलाने की भट्टियों के अवशेष
- (b) केवल आधुनिक सिक्के और औपनिवेशिक भवन
- (c) समुद्री जीवाश्म और तटीय बस्ती के अवशेष
- (d) केवल ताड़पत्रों पर लिखी बौद्ध पांडुलिपियां

उत्तर: (a) प्राचीन मूर्तियां, कलात्मक पत्थर, तांबे के सिक्के और धातु गलाने की भट्टियों के अवशेष

**व्याख्या:**

नरहड़ में स्थानीय लोगों द्वारा कई प्रकार के अवशेष मिलने की जानकारी दी गई है। इनमें मूर्तियां, कलात्मक पत्थर, तांबे के सिक्के, धातु गलाने की भट्टियों के अवशेष और मिट्टी की दीवारों के अवशेष शामिल हैं। ये प्रमाण किसी प्राचीन बस्ती, शिल्प केंद्र या व्यापारिक स्थल की संभावना दर्शा सकते हैं।

**3. नरहड़ में वैज्ञानिक खुदाई की मांग क्यों की जा रही है?**

- (a) नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए
- (b) अवशेषों की आयु, सांस्कृतिक संदर्भ और ऐतिहासिक महत्व की पुष्टि के लिए
- (c) अल्बर्ट हॉल संग्रहालय को बदलने के लिए
- (d) गांव के सभी मंदिरों को जयपुर स्थानांतरित करने के लिए

**उत्तर: (b) अवशेषों की आयु, सांस्कृतिक संदर्भ और ऐतिहासिक महत्व की पुष्टि के लिए**

**व्याख्या:**

स्थानीय स्तर पर मिले अवशेषों के आधार पर किसी स्थल की सही आयु और ऐतिहासिक महत्व निश्चित नहीं किया जा सकता। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण या राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा वैज्ञानिक सर्वेक्षण और खुदाई से यह स्पष्ट हो सकता है कि नरहड़ कोई प्राचीन बस्ती, व्यापारिक केंद्र या शिल्प स्थल था या नहीं।

RASonly